भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

07.08.2024 के

अतारांकित प्रश्न सं. 2683 का उत्तर

वडसा-गढ़चिरौली रेलवे लाइन का निर्माण

2683. डॉ. नामदेव किरसान:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने 2011-12 के बजट में महाराष्ट्र के आदिवासी बहुल और सबसे पिछड़े क्षेत्र के जिला मुख्यालय गढ़चिरौली को वडसा-गढ़चिरौली रेल-नेटवर्क से जोड़ने का प्रावधान किया था;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या वडसा-गढ़चिरौली रेलवे 'लाइन का निर्माण' कार्य शुरू हो गया है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसमें विलंब के क्या कारण हैं और उक्त निर्माण-कार्य कब तक शुरू और पूरा होने की संभावना है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

वडसा-गढ़चिरौली रेलवे लाइन के निर्माण के संबंध में दिनांक 07.08.2024 को लोक सभा में डॉ. नामदेव किरसान के अतारांकित प्रश्न सं. 2683 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ङ): वडसा-गढ़चिरौली (52 किमी) नई लाइन परियोजना को महाराष्ट्र सरकार के साथ लागत में 50:50 भागीदारी के आधार पर स्वीकृत किया गया है। परियोजना की नवीनतम अनुमानित लागत 1096 करोड़ रुपये है। मार्च 2024 तक परियोजना पर 337 करोड़ रुपये का व्यय किया जा चुका है। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 250 करोड़ रुपये का परिव्यय प्रदान किया गया है। 2023-24 में पूरी भूमि (220.46 हेक्टेयर) अधिग्रहित कर ली गई है और वन/वन्यजीव मंज़ूरी प्राप्त हो गई है तथा निर्माण कार्य शुरू हो गया है।

01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाली 81,580 करोड़ रुपये की लागत वाली 5,877 कि.मी. कुल लंबाई की 41 रेल अवसंरचना परियोजनाएं (16 नई लाइनें, 02 आमान परिवर्तन और 23 दोहरीकरण) योजना और कार्यान्वन के विभिन्न चरणों में हैं, जिसमें से 1,926 कि.मी. लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2024 तक 31,236 करोड़ रुपये का व्यय किया गया है। इनमें शामिल हैं:-

(i) 38,423 करोड़ रु. की लागत वाली 2,017 कि.मी. कुल लंबाई की 16 नई लाइन परियोजनाएं, जिनमें से 166 किमी लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2024 तक 8,529 करोड़ रुपये का व्यय किया गया है।

(ii) 7,339 करोड़ रु. की लागत वाली 609 कि.मी. कुल लंबाई की 02 आमान परिवर्तन परियोजनाएं, जिनमें से 312 किमी लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2024 तक 3,332 करोड़ रुपये का व्यय किया गया है।

(iii) 35,818 करोड़ रु. की लागत वाली 3,251 कि.मी. कुल लंबाई की 23 दोहरीकरण परियोजनाएं, जिनमें से 1,448 किमी लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2024 तक 19,376 करोड़ रुपये का व्यय किया गया है।

महाराष्ट्र में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों हेतु औसत बजट आबंटन निम्नानुसार हैः-

अवधि	औसत परिव्यय	2009-14 के दौरान औसत आबंटन की तुलना में वृद्धि
2009-14	1,171 करोड़ रु./वर्ष	-
2023-24	13,539 करोड़ रु.	लगभग 11.6 गुना
2024-25	15,940 करोड़ रु.	लगभग 13.6 गुना

महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाले नई लाइन, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण खंडों की कमीशनिंग का ब्यौरा निम्नानुसार है -

अवधि	कमीशन की गई कुल लंबाई	कमीशन की गई औसत लंबाई	2009-14 के दौरान औसत कमीशनिंग के संबंध में वृद्धि
2009-14	292 किलोमीटर	58.4 किलोमीटर/वर्ष	-
2014-24	1830 किलोमीटर	183 किलोमीटर/वर्ष	लगभग 3.13 गुना

रेल परियोजना (परियोजनाओं) का पूरा होना/निष्पादित होना राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण, वन विभाग के प्राधिकारियों द्वारा वन संबंधी मंजूरी, बाधक जनोपयोगी सेवाओं का स्थानांतरण, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां, क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक स्थिति, परियोजना (परियोजनाओं) क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति, जलवायु स्थिति को ध्यान में रखते हुए परियोजना विशेष स्थल के लिए वर्ष में कार्य के महीनों की संख्या आदि पर निर्भर करता है और ये सभी कारक परियोजना (परियोजनाओं) के निष्पादन और समापन समय को प्रभावित करते हैं।

******